1.5 करोड़ की प्रतिबंधित सिगरेट जब्त, दो पकड़े

बंग्लादेश से असम फिर ट्रक से पहुंचती थी एनसीआर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित सिगरेट की तस्करी करने वाले गिरोह के दो तस्करों को यूपी एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 30 हजार 200 बैन विदेशी सिगरेट की डिब्बी जब्त की गई है। जिनकी भारतीय बाजार में करीब 1.5 करोड़ है।

ये कार्यवाही राज कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ गौतमबुद्धनगर की अगुवायी में की गई। से सिगरेट इंडोनेशिया, कोरिया से आती है। उन्होंने बताया कि मुखबीर से इनपुट मिला कि एक ट्रक जिसके अन्दर अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से तस्करी करके लाई गई विदेशी सिगरेट भरी हुई है। जिन पर वैधानिक चेतावनी भी अंकित नहीं है। पिलखुआ टोल से होता हुआ छिजारसी टोल से होकर जायेगा। इस सूचना पर स्थानीय पुलिस को सूचना से अवगत कराते हुए थाना पिलखुआ, जनपद हापुड़ की पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। इस दौरान ट्रक को दोनों तस्करों के साथ पकड़ लिया गया। तस्कर मुजम्मिल ने बताया कि उसकी उम्र लगभग 32 साल है।

वह और उसका भाई सोनू उर्फ अजरूद्दीन मुख्य रूप से पुराने टायरों को इकट्ठा करके उनको गलाने का काम करते थे। पुराने टायरों के काम के सिलसिले में अजरूद्दीन अक्सर पूर्वोत्तर के राज्यों में जाता था। वहां अजरूद्दीन की जान पहचान असम के निवासी गौरव नाम के व्यक्ति से हो गई थी। गौरव इंडोनेशिया, कोरिया व अन्य देशों की विदेशी सिगरेट की बांग्लादेश के रास्ते तस्करी करता था। यह लोग वहां से इस तरह तस्करी करके लाई गई विदेशी ब्रांड की सिगरेट को अपने ट्रक में पुराने टायरों के नीचे छिपाकर यहां लते थे।

इन सिगरेट को एनसीआर क्षेत्र में बेचने के लिए तड़के जाने वाली दूध की गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाता था। इन सिगरेट को दूध की बाल्टियों के नीचे छिपाकर एनसीआर के दिल्ली, गुरुग्राम आदि क्षेत्रों में ले जाकर अच्छे दामों पर बेच दिया जाता था। इन अवैध सिगरेट को लाने के लिए गोहाटी से गौरव की ओर से भेजे गए आदमी के हाथ में ट्रक व कैश दे दिया जाता था। वह सिगरेट को ट्रक में भरकर वापस ट्रक को हमें दे देता था। दूसरे तस्कर रवि गिरी 34 ने बताया कि कि पकड़े गए ट्रक के मालिक हाजी शौकीन, सोनू उर्फ अजरूदीन व मुजम्मिल के पुराने परिचित थे।